राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण

दिनांक 18 फरवरी 2020

आयोजक : राजनीति विज्ञान विभाग

शास.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर

पंजीयन प्रपत्र

प्रतिभागी का नाम : .....

पद नाम : .....

जन्मतिथि : .....

पूर्ण पता मो. व ईमेल : .....

: .....

संस्था का नाम : .....

शोध पत्र का शीर्षक : .....

पंजीयन शुल्क नकद/बैंक ड्राफ्ट.

बैंक ड्राफ्ट क..... दिनांक .....

बैंक का नाम .....

आवास व्यवस्था चाहते हैं हां / नहीं

आगमन की तिथि : .....

पंजीयन प्रपत्र पूर्ण कर प्रेषित करें :–

E-mail - narayanpurcollege@gmail.com

संयोजक

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

राजनीति विज्ञान विभाग

शास.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महा.नारायणपुर

जिला : नारायणपुर (छ.ग.)

मो.नं. 9424280408

आमंत्रण

शास स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला -नारायणपुर

अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण

दिनांक 18 फरवरी 2020

प्रेषक :

श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर

संयोजक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

राजनीति विज्ञान विभाग

शास.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नारायणपुर, जिला–नारायणपुर(छ.ग.)

पिन : 494661

प्रति,

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण

दिनांक 18 फरवरी 2020

आयोजक

राजनीति विभाग

शा.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नारायणपुर (छ.ग.)

प्राचार्य/संरक्षक

(डॉ.श्रीमती एस.एम.तिमोथी

शा.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नारायणपुर (छ.ग.)

मो. 9424147383

संयोजक

श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर

अतिथि सहा.प्राध्यापक

राजनीति विज्ञान विभाग

मो. 9424280408

विभागाध्यक्ष

प्रो.एस.आर.कुंजाम

सहा.प्राध्यापक (भूगोल विभाग)

शास.स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महा. नारायणपुर

मो. 9425598192

महाविद्यालय का परिचय :–

दूरस्थ तथा दुर्गम अबूझमाड़ वन्य क्षेत्र में आदिवासी विकास योजना म. प्र. शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 14 सितम्बर 1988 को स्नातक महाविद्यालय के रूप में कला संकाय के साथ स्थापित किया गया तथा इसे यू. जी. सी. के सेक्सन 2F तथा 12B के अन्तर्गत 1992 में शामिल किया गया। 13.06.2008 को शासकीय महाविद्यालय नारायणपुर का नामकरण स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कर दिया गया। वर्तमान समय में कला संकाय के साथ वाणिज्य, विज्ञान की स्नातक कक्षाएं एवं अर्थशास्त्र, भूगोल, राजनीति, समाजशास्त्र की स्नातकोत्तर कक्षाएं बस्तर वि.वि. जगदलपुर द्वारा सेमेस्टर तथा वार्षिक परीक्षा तथा पं. सुन्दर लाल शर्मा मुक्त वि.वि. बिलासपुर एवं डॉ.सी. वी. रमन वि.वि. की परीक्षाएं संचालित होती है, साथ ही शासन की महत्वाकांक्षी योजना का संचालन किया जा रहा हैं। यह जिले का एक मात्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय हैं।

परम सम्माननीय विद्वतजन –

आप को आमंत्रित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा हैं कि हमारे महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया जा रहा हैं। संगोष्ठी का विषय हैं

"अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण"

जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों को हमारे भारतीय संविधान में सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में समता और न्याय के आदर्श रखे गये हैं । संविधान में किसी भी वर्ग के विरूद्ध या जन्म स्थान के आधार पर विभेद नहीं किया जा सकता । भारतीय संविधान की पांचवी अनुसूची में स्थिति तथा सुरक्षायें पेसा कानून की जानकारी और जागरूकता का दर्शाया गया है जिसमें जनजातियों का विकास निर्धारण हो सके । बस्तर क्षेत्र जनजातीय बाहुल्य वाला क्षेत्र है इसके 7 जिलों में जनजातियों का 90% जनजातीय निवासरत है, इसमें जिला नारायणपुर भी जनजातीय बाहुल्य जिला है जो अबुझमाड़ के नाम से विख्यात है । जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र होने के साथ साथ जनजातियों को अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति अधिक जानकारी का लाभ मिल सके, यह राष्ट्रीय संगोष्ठी न केवल बुद्धिजीवियों बल्कि स्वयं जनजातियों को अपने अधिकारों को जानने का अवसर प्रदान करेगा । वरन युवा शोधार्थियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जिन पर संविधान में दिए गए अधिकारों को समाज हित में अपने विचारों से आगे ले जाने का यदि आप निम्न बिन्दुओं पर अपने विचार प्रेषित करे तो हमें हार्दिक प्रसन्नता होगी।

1. आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार
2. पेसा कानून और आदिवासी समुदाय
3. जनजातियों के विकास में संवैधानिक प्रावधान
4. जनजातियों में संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता
5. पांचवीं और छठी अनुसूची और जनजातीय क्षेत्र
7. भारतीय संविधान में जनजातीय अस्मिता
8. मानवाधिकार और आदिवासी
9. आदिवासी पहचान व संस्कृति एवं संवैधानिक स्थिति
10. भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजाति की संवैधानिक सुरक्षायें ।

शोध पत्र / शोध संक्षेपिका आमंत्रण :–

उपर्युक्त विषय पर मौलिक शोधपत्र आमंत्रित हैं। प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने शोध पत्र अधिकतम 3000 शब्दों तथा शोध संक्षेपिका 300 शब्दों में दिनांक **16 जनवरी 2020** तक उपलब्ध करावें। शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि 30 जनवरी 2020 तक है ।

प्रारूप :–

HINDI - MS WORD DOCUMENT, A4 SIZE
FONT - KRUTIDEV 010
FONT SIZE - 12 WITH 1.5 LINE SPACE
ENGLISH - TIMES NEW ROMAN
FONT SIZE - 12

शोध पत्र / शोध संक्षेपिका निम्नलिखित **E-mail** पर भेज सकते हैं।

E-mail : narayanpurcollege@gmail.com

पंजीयन शुल्क :–

प्राध्यापक / शोधार्थी	–	रू. 500 / –
विद्यार्थी	–	रू. 300 / –

चयनित शोधपत्र / आलेख का प्रकाशन ISBN नंबर पुस्तक के रूप में किया जायेगा जिसका 1000 / – पृथक से देय होगा । संगोष्ठी हेतु प्रत्येक प्रतिभागी को पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। पंजीयन शुल्क महाविद्यालय में कार्यालयीन समय में नकद अथवा प्राचार्य शा. महाविद्यालय नारायणपुर के नाम पर देय डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा किया जा सकता है।

यात्राव्यय, आवास एवं भोजन की व्यवस्था :–

* शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले सभी प्रतिभागियों को द्वितीय श्रेणी अथवा बस का वास्तविक किराया देय होगा।

* संगोष्ठी में भाग लेने सभी प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क आवास एवं भोजन की व्यवस्था की जायेगी।

विशेष :– कृपया अपने आगमन की पूर्व सूचना दे ताकि आवास की व्यवस्था करने में सुविधा हो।

आयोजन एवं सलाहकार समिति

1.	डॉ. एस.आर.कुंजाम	–	9425598192
2.	श्री बी.डी. चांडक	–	9893634512
3.	श्री संजय पटेल	–	9450338749
4.	श्री राजेन्द्र यादव	–	7746063444
5.	डॉ. सुमीत श्रीवास्तव	–	8010731778
6.	श्री योगेन्द्र पटेल	–	9208758165
7.	श्रीमती विजय लक्ष्मी	–	9411886063
8.	श्रीमती मीना देवांगन	–	7587842807
9.	डॉ.(श्रीमती) माधवी पंडया	–	9425540038
10.	श्री दुर्गा प्रसाद साहू	–	7000828290
11.	श्री धुरवा राम श्याम	–	9589005265
12.	श्री पारस कुमार डहरिया	–	9575106244
13.	श्री प्रदीप कुमार सलाम	–	7648038271
14.	श्री योध प्रसाद दीवान	–	9111599402
15.	श्री ओमकार वर्मा	–	8718010055
16.	श्री अविनाश सहारे	–	9425538341
17.	कु. प्रीति साहू	–	7748865116

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

18 फरवरी 2020

"अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण"

GOVT. SWAMI ATMANAND PG COLLEGE
NARAYANPUR (CG)
विद्या विनयम् ददाति

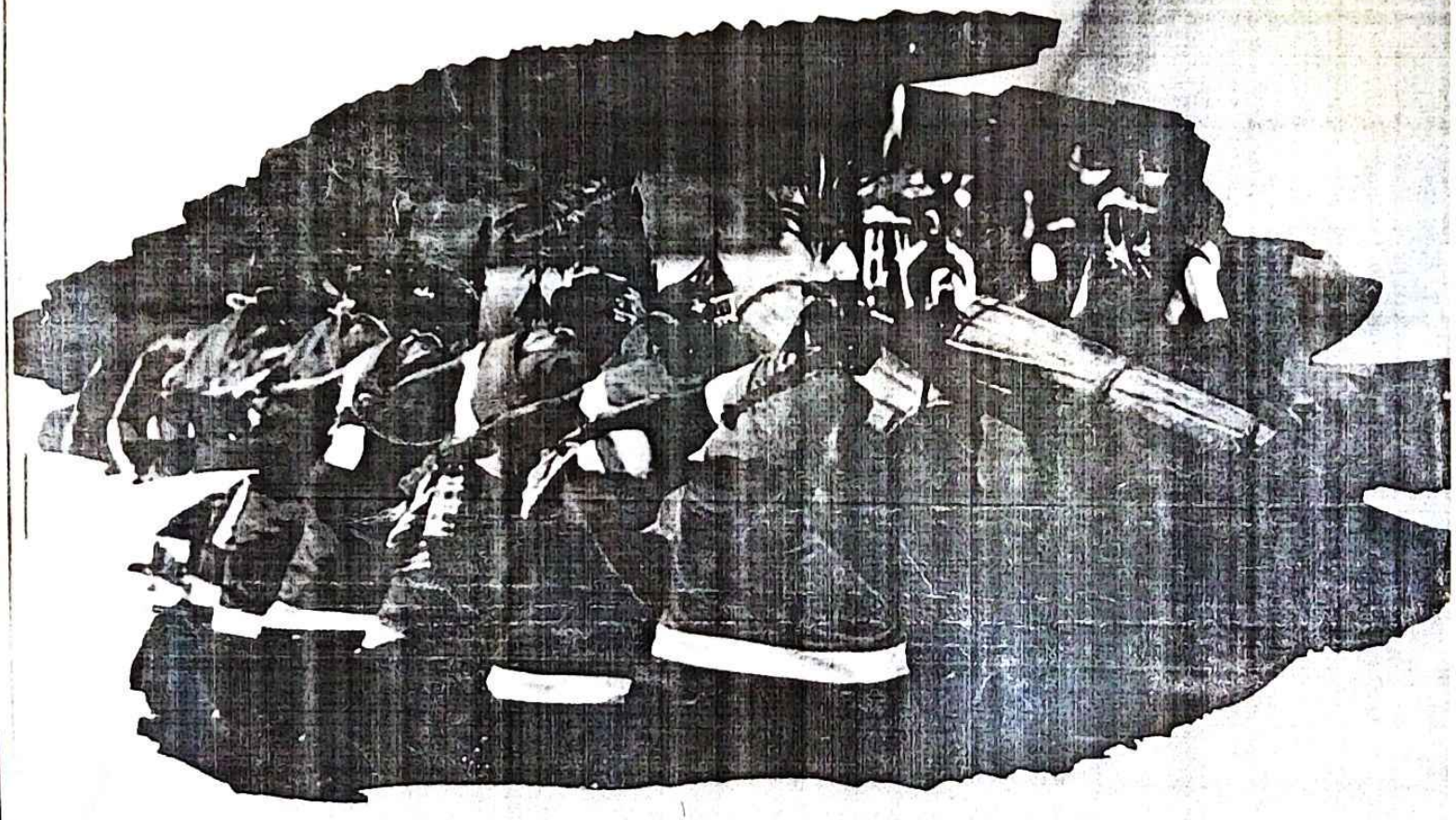

आयोजक

राजनीति विज्ञान विभाग
शा. स्वामी. आत्मानंद
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नारायणपुर (छ.ग)

प्राचार्य
शा. स्वामी. आत्मानंद
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नारायणपुर (छ.ग)

//प्रतिवेदन //

अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों की स्थिति विषय पर शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी दिनांक 18 फरवरी 2020 को आयोजित की गई जिसमें रिर्सोस पर्सन के रूप में डॉ. जितेन्द्र कुमार प्रेमी (एसोसिष्ट प्रोफेसर) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर व डॉ. रूपेन्द्र कवि अनुसंधान सहायक आदिम जाति विभाग, जगदलपुर, डॉ. नीता बाजपेयी एन.एस.एस. कोआर्डिनेटर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर मुख्य वक्ता के रूप में अपना वक्तव दिया तथा कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी अभिवानंद महाराज जी सह–सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री शिवकुमार पाण्डेय अधिवक्ता नारायणपुर व श्रीमती सुनीता मांझी, नगरपालिका अध्यक्ष उपस्थित रही सेमीनार में स्मरिणा का विभोचन एवं शोध पत्र वाचन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा 48 शोध पत्र प्रेषित किये गये थे। जिसमें अरूण कुमार शोधार्थी वर्धा महाराष्ट्र से अपना शोध पत्र वाचन कोयलकारो परियोजना में पेशा कानून का उल्लंधन और आदिवासी, प्रतिरोध, शिवकुमार सिंघल शोधार्थी ने बस्तर विश्वविद्यालय आदिवासी पहचान और संस्कृति एवं संवैधानिक स्थिति श्री शिवकुमार पाण्डेय ने आदिवासियों के संवैधानिक प्रावधान व श्री जगनाथ बघेल ने अपने सामाजिक कार्यकर्ता अनुसूचित जनजाति एवं मानवाधिकार विषय पर अपने शोध पत्र वाचन किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक, अतिथि सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने अपनी भूमिका का निर्वहन सुचारू रूप से किया और आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बी. डी. चांडक व मंच संचालन श्री एस. के पटेल एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर द्वारा किया गया है।

PRINCIPAL
Government Post Graduate College
Narayanpur, Dist.- Narayanpur
Chhattisgarh

//प्रेस विज्ञप्ति //

अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों की स्थिति विषय पर शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी दिनांक 18 फरवरी 2020 को आयोजित की गई जिसमें रिर्सोस पर्सन के रूप में डॉ. जितेन्द्र कुमार प्रेमी (एसोसिष्ट प्रोफेसर) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर व डॉ. रूपेन्द्र कवि अनुसंधान सहायक आदिम जाति विभाग, जगदलपुर, डॉ. नीता बाजपेयी एन.एस.एस. कोआर्डिनेटर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर मुख्य वक्ता के रूप में अपना वक्तव दिया तथा कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी अभिवानंद महाराज जी सह–सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री शिवकुमार पाण्डेय अधिवक्ता नारायणपुर व श्रीमती सुनीता मांझी, नगर पालिका अध्यक्ष उपस्थित रही सेमीनार में स्मरिणा का विभोचन एवं शोध पत्र वाचन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा 48 शोध पत्र प्रेषित किये गये थे। जिसमें अरूण कुमार शोधार्थी वर्धा महाराष्ट्र से अपना शोध पत्र वाचन कोयलकारो परियोजना में पेशा कानून का उल्लंधन और आदिवासी, प्रतिरोध, शिवकुमार सिंघल शोधार्थी ने बस्तर विश्वविद्यालय आदिवासी पहचान और संस्कृति एवं संवैधानिक स्थिति श्री शिवकुमार पाण्डेय ने आदिवासियों के संवैधानिक प्रावधान व श्री जगनाथ बघेल ने अपने सामाजिक कार्यकर्ता अनुसूचित जनजाति एवं मानवाधिकार विषय पर अपने शोध पत्र वाचन किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक, अतिथि सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने अपनी भूमिका का निर्वहन सुचारू रूप से किया और आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बी. डी. चांडक व मंच संचालन श्री एस. के पाल एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर द्वारा किया गया है।

PRINCIPAL
Government Post Graduate College
Narayanpur, Dist.- Narayanpur
Chhattisgarh

शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर (छ.ग)

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित

दिनाँक– 18 फरवरी 2020

ज्ञान–विज्ञान विमुक्तये

–प्रमाण पत्र–

डॉ. /प्रो. /श्रीमती /सुश्री.....

संस्था शासकीय महाविद्यालय फरसगाँव ने अनुसूचित जनजातियों के सवेंधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी दिनाँक 18 फरवरी 2020 में विषय विशेषज्ञ/सत्र की अध्यक्षता/प्रतिभागी के रूप में भाग लिया तथा अपना व्याख्यान/शोधपत्र शीर्षक सहभागिता विषय पर प्रस्तुत/वाचन किया।

विभागाध्यक्ष/आयोजन सचिव
डॉ. एस.आर. कुंजाम
सहायक प्राध्यापक (भूगोल)

प्राचार्य/संरक्षक
डॉ. (श्रीमती) एस.एम. तिमोथी

17/02/2020

...AND PG COLLEGE (CG)
...RAYANPUR (CG)

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
राजनीति विज्ञान

रजिस्टर

=o*=o*=

क्र.सं.	नाम / पदनाम	शोधशीर्षक	संस्था
1	राजेन्द्र कुमार यादव सहा. प्राध्यापक वाणिज्य	भारतीय संविधान में जनजाति अस्मिता	शा. स्वा. महा. ना
2.	डॉ. सुमित श्रीवास्तव (सहा. प्रा. रसायन)	—— " ——	—— "
3.	डॉ. श्रीमती माधवी पंडया (अतिथि शिक्षक भूगोल)	अनुसूचित जन. जातियों के विकास में संवैधानिक प्रावधान : नारायणपुर जिले के विशेष संदर्भ में	—— "
4.	प्रीति साहू अतिथि शिक्षक राज. विज्ञान	पांचवी और छठी अनुसूची और जनजातीय क्षेत्र	—
5.	ओमकार वर्मा अतिथि व्याख्याता (गणित)	जनजातियों के विकास में संवैधानिक अधिकार	—
6.	डेविडकुमार		
7.	विश्वकांत साहू	विद्यार्थी / सहआगिता	शा. स्व. महावि. ना
8.	श्रीकृष्ण कुमार आरमुल	~~अतिथि विद्यार्थी~~ छात्र —— "	—— "
9.	श्री बी. डी. चाडक	भारतीय संविधान में जनजाति अस्मिता सहायक प्राध्यापक	शासकीय स्ना. नारायण
10.	धुरवाराम श्याम G.R.	"पांचवी एवं छठवी अनुसूची जनजातीय क्षेत्र भारत एवं छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में,"	शासकीय महा. कि.
11.	योध प्रसाद	जनजातिय के विकास में संवैधानिक प्रावधान	शा. महा.
12.	संजय कुमार पटेल	पांचवी तथा छठी अनुसूची और जनजातीय क्षेत्र	शा. स्वा.
13.	प्रदीप कुमार सलाम	अनुसूची जनजातियो के संवैधानिक अधिकार स्थिति का विश्लेषण विशेष संदर्भ वन अधिकार मान्यता कानून 2006	शा. स्व
14.	श्रीमति मीना डेवांगन	मानव अधिकार और आदिवासी	—— "
15.	बलराम नेताम	~~[illegible]~~ (सहआगित)	—— "
16.	दुर्गाप्रसाद साहू	आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार	—

क्र. सं. क्रमांक	नाम / पदनाम	शोधशीर्षक	संस्था का
(17)	श्री पारस कुमार	आदिवासी पहचान और संस्कृति	शा० म
(18)	कु० चांदनी साहू	विद्यार्थी सहभागिता	— "
(19)	श्री अरुण कुमार	पी० एच.डी शोधार्थी कोयलकारो परियोजना में पेशा कानून का उल्लंघन और आदिवासी प्रतिरोध	महात्मा गां हिंदी विश्व महाराष्ट्र
(20)	श्री योगेन्द्र कुमार	न्यूनतम सभ्य जीवन का अधिकार और कल्याणवादी अर्थशास्त्र	शा० म
(21)	श्री पुरोहित कुमार सोरी सह. प्रा. इतिहास	मुरिया जनजातियों का सांस्कृतिक इतिहास : घोटुल	शास. गुरु महाविद्याल
(22)	डॉ. देवाशीष हलदर सह.प्रा. अर्थशास्त्र	जनजातियों के आर्थिक सामाजिक अध्ययन विशेष संदर्भ जिला कोण्डागांव	शास. गुरु महा. कोण्ड
(23)	श्रीमती रूपा सोरी सह. प्रा. अंग्रेजी	जनजातियों में महिला सशक्तिकरण: विशेष संदर्भ कोण्डागांव जिला	शास. गु महा. को
(24) (CR)	श्री विनय कुमार देवांगन सहा. प्रा. हिन्दी	मानवाधिकार और आदिवासी	शास. ग महा.
(25)	डॉ (श्रीमती) किरण नुरुटी प्राचार्य / सहा.प्रा. समाजशास्त्र	आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार	शास. गु महा.
(26)	पवन कुमार मण्डावी	भारतीय संविधान में जनजातीय अस्मिता	शास.

सं. क्रमांक	नाम / पदनाम	शोध शीर्षक	संस्था का
(27)	डॉ० बिंदिया कुलदीप		शा० म
(28)	डॉ० रिंकी सिंह	अल्बेलपारा गंगरे	
(29)	मोहित लाल देवांगन	मानवाधिकार और आदिवासी	शास० म
(30)	श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर	पेसा कानून और आदिवासी	शास० स्व स्नात० म
(31)	श्री दुष्यंत कुमार बंजारे	भूतपूर्व विद्यार्थी (सहभागिता)	शा० स्वा महावि०
(32)	श्रीमती किंगिम नेताम	—"—	—"—
(33)	श्री हरिशचन्द्र पैद्य	—"—	—"—
(34)	श्री अशोक कुमार भाग	शोधार्थी समाजशास्त्र जनजातियों में संवैधानिक अधिकार के प्रति जागरूकता	बस्तर वि
(35)	श्री अविनाश सटारे	भारतीय संविधान मे जनजातीय असिता	शा० म ना०
(36)	श्री शिवकुमार सिंहल	पी० एच० डी० शोधार्थी आदिवासी पहचान और संस्कृति एवं संवैधानिक स्थि	जे० एन० किरन्दु
(37)	श्री जगनाथ बघेल स० प० चि० से अधिकारी	अनुसूचित जनजाति एवं मानव अधिकार	ग्राम + पो वि० ख० दर

ANAND PG COLLEGE RAJNANDGAON (CG)

क्र. क्रमांक	नाम / पदनाम	शोधशीर्षक	संस्था का
38	श्री लिबरन राम नाग	सहभागिता	भावली प
39	श्री रविशंकर गुप्ता पी० एच० डी शोधार्थी	जनजातीय असित एवं संविधान	बस्तर ब० वि किरन्दु
40	श्री सुरेश कुमार पी० एच० डी० शोधार्थी	आदिवासी पहचान व संस्कृति एवं संवैधानिक स्थिति	बस्तर प्रदे
41	श्रीमती सीमा बघेल (सह० प्राध्यापक रसायन)		शा० महा कुरस
42	श्री मुकेश कुमार केमरो अतिथि सह० प्राध्या० अर्थशास्त्र	सहभागिता	शा० म आनुप
43	श्री मुकेश कुमार डहरवाल सह० प्राध्या० राजनीति वि०	सहभागिता	शा० म आनुप
44	श्री युधुप्रसाद सिन्हा	विद्यार्थी सहभागिता	शा० म
45	श्री शिवकुमार पण्डिय	आदिवासियों के संवैधानिक प्रावधान	नारा
46	श्रीमती विजयलक्ष्मी गौड सह० प्राध्या० हिन्दी	सहभागिता	शा० म
47	डॉ० जयसिंह सह० प्राध्या० मनोविज्ञान		शा० पू स्नात कौंकि

क्र० क्रमांक	नाम / पदनाम	शोधशीर्षक	संस्था का०
(48)	डॉ० मनोज राव सहा० प्राध्या० (भूगोलविज्ञान)		मा. प्र. देव महाविद्या
(49)	डॉ० वसंत नाग सहा० प्राध्या० (समाजशास्त्र)		—
(50)	डॉ० के० आर० ध्रुव सहा० प्राध्या० (समाजशास्त्र)		—
(51)	श्री शरद अंकुर सहा० प्राध्या० (इतिहास)	पाँचवी अनुसूची और आदिवासी आक्रोश	—
52)	श्री जगदीश सहा० प्राध्या० (अर्थशास्त्र)	"आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार"	शा. गु० मधे. वि
53)	श्री नितिन पाण्डेय सहा० प्राध्या० (इतिहास)	"आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार"	शासकीय फरसगाँव
54)	सुमित्रा उसेण्डी छात्रा	जनजाति संविधान	शास. क. महा.
55	कविता देवरी (छात्रा)	—	शास. नि. महानि.
56.	डॉ. रामकुमार नायक	आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार	शास. कला महा. केवल (म.प्र.)
57.	ममता दिवाकर	सहभागिता	शोधार्थी ब (राजनीति

सं० क्रमांक	नाम / पदनाम	शीर्षक	संस्थाका नाम
58.	श्री दिनेश दिवाकर सह. प्रा. राजनीति	सहभागिता	शास. कार्मेल महाविद्याल
59.	डॉ. आरती बोरकर (सह. प्रा. हिन्दीविभाग)	सहभागिता	शास. डॉ. स्नातकोत्तर
60.	डॉ. रीता यादव (सह. प्रा. हिन्दी)	सहभागिता	शास. डॉ. महाविद्यालय
61.	डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा (सह-प्रा. हिन्दी)	सहभागिता	शास. डॉ. महा. बं
62.	देवानंद बोरकर सह. प्रा. हिन्दी	सहभागिता	शास. महा बलौदा ब
63	मोनिका सिंग	महिलाओ के शैक्षिक अधिकार समस्या एवं संवैधानिक प्रावधान	डीम्ड विश्व आगरा
64	नेवी कुमारी	जनजातीय विकास एवं सांस्कृतिक परिवर्तन : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	डीम्ड विश्व आगरा
65.	विनय कुमार देवांगन	मानवाधिकार और आदिवासी	शास
65.	श्री के. आर. ठाकुर सह. प्रा. (राजनीति)	पेसा कानून और आदिवासी	शास. डॉ. भीमराव स्नातकोत्तर डोंगरगांव
66.	इरफान अली (सह-प्रा. प्राणीविज्ञान)	सहभागिता	शास. म. किरंदुल

क्र० क्रमांक	नाम / पदनाम	शोध शीर्षक	संस्था का
67.	कु. रुपिन्दर जीत कौर (शोधार्थी समाजशास्त्र)	जनजातियों के विकास में संवैधानिक प्रावधान	बस्तर वि.
68.	डॉ. मोहन सोलंकी सहा. प्रा. (लॉ)	सहभागिता	शास. का. महा. जग
69.	कु. कंचन जैन एम. ए. सेमेस्टर	जनजातीयो के विकास में संवैधानिक प्रावधान	शास. स्नातकोत्तर नारायण
(70)	अखिलेश त्रिपाठी शोधार्थी	सहभागिता	बस्तर वि
(71)	इन्दु टेकाम शोधार्थी	सहभागिता	बस्तर वि.
72	दीलिप कुमार /शोधार्थी	अनु. ज. जा. के माध्यमिक स्तरके छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि का सामाजिक सम्बन्धो से विश्लेषणात्मक अध्ययन	मेवाड़ वि राजस
73.			
74.	मधु जैन /शोधार्थी	अनुसूचित जनजातियों का संवैधानिक अधिकार और उसका सामाजिक पक्ष	बस्तर वि
75	डॉ. रामचंद्र साहू	विस्थापन का महिलाओ पर प्रभाव एक मानवशास्त्रीय अध्ययन	मानव विज्ञा अध्ययन वि. वि.
76.	श्रीमती पूर्णिमा चटर्जी सहा. प्रा. (राजनीतिविज्ञान)	अनुसूचित जनजातियो के संवैधानिक अधिकार की स्थिति का विश्लेषण	बस्तर वि

क्र.	नाम / पदनाम	शोध शीर्षक	संस्था
77.	डॉ. भुनेश्वर लाल साहू अतिथि सहा. प्रा. राजनीति विज्ञान	आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार	बस्तर।
78.	डॉ. सोहन कुमार मिश्रा सहा. प्रा. शिक्षा	जनजातियों के विकास में संवैधानिक प्रावधान	बस्तर
79.	प्रो. पीताम्बर राय विभागाध्यक्ष / राजनीति विज्ञान	जनजातीय विकास में पंचायतों की भूमिका	आर. बी. सांस्कृ.
80.	प्रो. प्यारेलाल आडिले प्राचार्य / प्रमुख / राजनीति विज्ञान	जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता एवं विश्लेषण	जे. बी. डी. महा. क
81.	डॉ. एच. एल. मानकर सहा. प्रा. गणित	सहभागिता	मदनलाल महा. अ
82.	डॉ. सपना कोर (समाजशास्त्र विभाग	सहभागिता	मदनला मभरीकल
83.	डॉ. सुजाता सेमुअल	सहभागिता	शास. प मस्तुरी
84.	सियाराम नाग	बस्तर जिले में आदिवासी मानवाधिकारों का अध्ययन	बस्तर
85.	मनीष प्रसाद नाग	सहभागिता / छात्र	शास. स्वा महा. ना
86.	डॉ. एस. आर. कुंजाम सहा. प्रा. भूगोल	पंचायत उपबंध भावकारी संशोधन अधिनियम के संदर्भ में	शास. ल रना. म